

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली

अद्वैतवेदान्तविद्याशाखा

शास्त्रीकक्षा-पाठ्यक्रमः

DSE -3

| कक्षा | सत्रार्थम् | पत्रसङ्केतः | पाठ्यक्रमविवरणम् | क्रेडिट | यूनिट | होरा |
|---------------------|-----------------|-------------|--|---------|-------|-------|
| | | | विवेकचूडामणिः १- १०० श्लोकाः | | | |
| शास्त्रितृतीयवर्षम् | प्रथमसत्रार्थम् | DSE -3 | 1. १ तमश्लोकादारभ्य २७ तमश्लोकपर्यन्तम् । अनुबन्धचतुष्टयम्, नरजन्मदुर्लभत्वम्, साधनचतुष्टयम् | 1 | 1 | 20-16 |
| | | | 2. २८ तमश्लोकादारभ्य ४९ तमश्लोकपर्यन्तम् । मोक्षोपयाः, भक्तिस्वरूपम्, गुरूपसत्तिः। | 1 | 1 | 20-16 |
| | | | 3. ५० तमश्लोकादारभ्य ७५ तमश्लोकपर्यन्तम् । गुरूपदेशम्, अविद्याबन्धनाशकत्वप्राधान्यम्, ब्रह्मप्राप्त्योपायाः | 1 | 1 | 20-16 |
| | | | 4. ७६ तमश्लोकादारभ्य १०० तमश्लोकपर्यन्तम् । आत्मस्वरूपम्, अविद्यातत्कार्ययोः स्वरूपम् | 1 | 1 | 20-16 |
| | | | सहायकग्रन्थाः 1. शङ्कराचार्यविरचित विवेकचूडामणिः। 2. चन्द्रशेखरभारतिस्वामिविरचितव्याख्या च। | | | |

विशेषज्ञनाम, वासस्थलम्, दूरभाषसंख्या, वैद्युतिकपत्रसंकेतः

| नाम | वासस्थलम् | | वैद्युतिकपत्रसंकेतः |
|----------------------|---|--|---------------------|
| प्रो. आर् प्रतिभा | प्रोफसर, अद्वैतवेदान्तविभागः, केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, गुरुवायूर परिसरः, पुरन्नाटुकरा, तृशूर्जनपदः, केरलराज्यम् । | | |
| | | | |